www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

युग चेतना साहित्य-१३५

वातावरण प्रदूषण का क्या कोई समाधान है ?

युग ऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

यह पुस्तिका स्वयं पढ़ें, परिवार में सबको पढ़ाएँ ।
एक सप्ताह बाद किसी अन्य पात्र व्यक्ति को दे दें ।

सौजन्य से :

0256

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

: BOOK MADE AVAILABLE FOR DIGITIZATION BY :

YUG NIRMAN YOJANA, GAYATRI TAPOBHUMI
MATHURA, INDIA

: OUR MAIN CENTERS :

Shantikunj, Haridwar,
Uttaranchal, India – 249411
Phone no : 91-1334- 260602,
Website : www.awgp.org
E-mail : shantikunj@awgp.org

Gayatri Tapobhumi,
Mathura, U.P., India – 281003
Phone no : 91-0565-2530128,
Website : www.awgp.org
E-mail : yugnirman@awgp.org

: BOOK DIGITIZED BY :

Vicharkranti Pustakalay, Thana-Faliya, Dindoligam, Surat-394210, Gujarat, India
E-mail: vicharkranti.awgp@gmail.com | Website : www.vicharkrantibooks.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

आत्मीय अनुरोध

परमपूज्य गुरुदेव की आकांक्षानुसार उनके उत्कृष्ट चिंतन को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विभिन्न विषयों पर अति अल्प मूल्य वाली पुस्तकों का **युग चेतना साहित्य** प्रकाशित किया जा रहा है । न्यूनतम १०० पुस्तिका मँगाने के लिए डाकखर्च सहित कुल २२५) रुपया भेजना चाहिए । शक्तिपीठें एक साथ अधिक साहित्य मँगाकर स्थानीय कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करा सकती हैं । उदार दानी भामाशाहों को अपने धन का सदुपयोग ज्ञानयज्ञ में करके पुस्तिकाएँ समाज में वितरित करनी चाहिए । इसी प्रकार के क्रांतिकारी चिंतन की पाठ्यसामग्री के स्वाध्याय हेतु 'युग निर्माण योजना' मासिक पत्रिका (वार्षिक शुल्क ३०) रुपया) के सदस्य बनें ।

-लीलापत शर्मा
व्यवस्थापक
युग निर्माण योजना, मथुरा

मूल्य : ३० पैसे

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

वातावरण प्रदूषण का क्या कोई समाधान है ?

ईंधन जलने, औद्योगिक कल–कारखानों से धुआँ निकलने और विभिन्न कारणों से वातावरण–प्रदूषण की आजकल बड़ी चर्चा है । सामान्य कारणों से उत्पन्न होने वाला प्रदूषण यों तो प्रकृति अपने आप ही शुद्ध करती है, पर उस शुद्धि–चक्र में मानव निर्मित एक व्यवधान उत्पन्न हो गया है । इसके कई कारण गिनाए जाते हैं, जिनमें तीन प्रमुख हैं । पहला तो यह है कि आजकल रेल, मोटरों और कल–कारखानों में ज्वलनशील ईंधन जलाया जाता है जैसे पेट्रोल, मोबिल आयल, डीजल आयल और मिट्टी का तेल । इस रासायनिक ईंधनों के जलने से कई प्रकार की गैसें निकलती हैं जो वायुमंडल में घुलकर वातावरण को दूषित करती हैं ।

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

दूसरा कारण रासायनिक मिश्रणों का उपयोग है । दवाएँ, कीटाणुनाशक रसायन, रासायनिक खाद जैसी वस्तुओं का इस्तेमाल तत्काल भले ही कोई लाभ दर्शाता हो, पर वे उपयोग के बाद संपर्क में आने वाली वस्तुओं का प्रत्येक कण विषाक्त कर देती है । यह विषाक्तता भी अपना प्रभाव वातावरण पर डालती है ।

तीसरा बड़ा कारण जो सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है जनसंख्या की वृद्धि । न्यूक्लियर रिएक्टर बढ़ी हुई जनसंख्या उनके द्वारा श्वांस–प्रश्वांस में छोड़ी गई कार्बन डाई आक्साइड तथा परमाणु परीक्षणों के कारण वातावरण में उत्पन्न हुई हलचल पर्यावरण को दूषित करती है । इन कारणों के साथ और भी अनेक कारण हैं जो वातावरण को दूषित करते हैं । यह समस्या इतनी चिंतनीय हो गई है कि वैज्ञानिकों के लिए

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
कुछ समय बाद प्राणवायु कहाँ से मिलेगी, यह विकट पहेली बन गई है ।

विशुद्ध प्राणवायु का अभाव ही एकमात्र हानि नहीं है । वातावरण प्रदूषण से होने वाली हानियों में से कई को तो अभी भी प्रत्यक्ष होते देखा जाने लगा है । एक छोटा–सा दुष्प्रभाव इस तथ्य के प्रकाश में देखा जा सकता है कि आजकल 'सर दर्द' की शिकायत बहुत बढ़ती जा रही है । दूसरे रोगों की औषधियाँ जितनी मात्रा में बिकती हैं–उन सबको मिलाकर भी उनसे भी ज्यादा सरदर्द मिटाने वाली गोलियों की बिक्री होती है । विज्ञान के शोधकर्त्ता सरदर्द की बढ़ती शिकायत के कारणों की खोज करते हुए इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि यह शिकायत मात्र वातावरण के दूषित होने से बढ़ी है । सामान्य रूप से यों भी समझा जा सकता है कि शहर में

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
रहने वाले लोगों को जहाँ हर शाम सरदर्द मिटाने वाली गोलियाँ निगलनी पड़ती हैं, वहीं ग्रामीण जनता को सरदर्द इतना नहीं सताता, क्योंकि नगरों में दिन भर ट्रक, बस और मोटरों की दौड़ में निकलने वाली गैसें परिवेश की ऑक्सीजन को दूषित कर डालती है और प्रत्येक नागरिक को आवश्कतानुसार ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और वह दूषित वायु उसके फेंफड़ों, मस्तिष्क तथा शरीर के अन्य अंगों को तनावग्रस्त बना देती है । एक विज्ञान शास्त्री के अनुसार– ''परिवेश प्रदूषण प्रत्येक नागरिक की रक्त संचार प्रणाली पर अपना दुष्प्रभाव डालता है और उससे थका हुआ स्नायुमंडल अपनी व्यथा 'सरदर्द' के संकेत से सूचित करने लगता है ।''

परिवेश प्रदूषण केवल पृथ्वी पर ही होता हो ऐसी बात नहीं है । नदियों, तालाबों, झीलों और

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

समुद्रों का पानी भी अशुद्ध होता जा रहा है । जलपोतों द्वारा समुद्र में विसर्जित किया हुआ गंदा तेल, नदियों में बहाया गया, कल–कारखानों से निकली व्यर्थ चीजें और गंदगी नदियों और समुद्र के पानी को बड़े भीषण रूप में दूषित कर देती हैं । च्बड़े शहरों और महानगरों मैं लगे औद्योगिक प्रतिष्ठानों को तो अपनी गंदगी बहाने का सर्वोत्तम स्थान पास बहने वाली नदियाँ ही दीख पड़ती हैं । उनकी गंदगी नदियों के पानी को इस तरह खराब कर देती हैं कि वह पानी उपयोग में आने जैसा रह ही नहीं जाता । कुछ दूर बहकर गंदगी पानी के साथ मिलकर बहुत कुछ वैसी ही हो जाती है जैसा कि नदी का जल रहता है और आगे नदी के किनारे पर बसने वाले गाँवों या नगरों के निवासी उसी जल का प्रयोग करते हैं ।

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

समुद्रों की स्थिति भी ऐसी ही है । मुंबई, मद्रास, कलकत्ता जैसे महानगरों में लगे सैकड़ों बड़े–बड़े उद्योग ही अपनी गंदगी समुद्र में फेंकते हैं और शहरों की गंदगी भी उधर ही बहा दी जाती है । नदियों के किनारे बसे नगरों में भी शहर की गंदगी बहा दी जाती है । इस प्रकार आधुनिक युग में रहने वाले मनुष्य को न साफ हवा मिल पाती है और न स्वच्छ पानी, अनाज और खाद्य पदार्थों की तो बात दूर है । वे भी दूषित हवा, पानी द्वारा ही तैयार होते हैं, तो शुद्धता की कल्पना मात्र है । स्पष्ट ही इस प्रदूषण का प्रभाव मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ता है ।

प्रदूषण जलवायु को भी असामान्य रूप से प्रभावित करता है । ऋतु वैज्ञानिकों का मत है कि इन दिनों मौसम में जो गंभीर परिवर्तन अनुभव किए जा रहे हैं, परिवेश का दूषण उसका एक

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

बहुत बड़ा कारण है । जन सामान्य भी मौसम को अस्थाई और अनिश्चित अनुभव करता है । कब बारिश हो जाए कुछ ठीक पता नहीं । निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि गर्मी का मौसम गर्मी की तरह ही बीतेगा और यह भी निश्चित नहीं है कि वर्षा ऋतु में पानी गिरेगा ही । कभी गर्मी के दिन भी बारिश की तरह लगते हैं तो कभी वर्षा भी गर्मी की भाँति ही बीत जाती है । प्रकृति अपना चक्र बदल रही है, यह कहने की अपेक्षा यह कहना ज्यादा ठीक होगा कि हम प्रकृति को अपनी नियति बदलने के लिए बाध्य कर रहे हैं ।

अनिश्चित वर्षा की भाँति ही जमीन की उर्वरा शक्ति और बीजों की अंकुरण चेतना में भी गंभीर ह्रास हो रहा है । कभी टिड्डियों से ही फसल को खतरा रहता था । कुछ सामान्य रोग

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

भी थे, जिनसे बचाव का प्रबंध भी आसानी से कर लिया जाता था । पर आज ऐसे–ऐसे नए रोग पैदा होते जा रहे हैं, जिनका प्रत्यक्ष प्रभाव तो नहीं दीखता, पर अनाज की पैदावार पर उनका गंभीर असर पड़ता है । कृषि शास्त्रियों के अनुसार वातावरण के प्रदूषण का अनाज की पैदावार पर इतना गंभीर असर पड़ रहा है २०११ तक विश्व की आबादी के भरण–पोषण की समस्या बहुत विकराल हो उठेगी । रासायनिक खादों और अन्य उपायों द्वारा अनाज का उत्पादन बढ़ाने में कुछ सफलता भले ही मिल रही हो, लेकिन तब यह और भी भयानक घटना लगेगी । जमीन की उर्वरा शक्ति को उत्तेजित कर बाहर निकालने का दुष्परिणाम यह होगा कि एक स्थिति ऐसी आ सकती है, जबकि उर्वरा शक्ति चुक जाएगी ।

१० / वातावरण प्रदूषण का क्या कोई समाधान है ?

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

शहरों का ही वातावरण दूषित हो रहा हो और ग्रामीण परिवेश उससे बचा हो, यह सोचना भी कल्पना है । वातावरण का प्रभाव हर स्थान पर पड़ता है । अणु–परीक्षणों के लिए एकांत और निर्जन स्थान चुने जाते हैं, पर वहाँ उत्पन्न हुई विकृतियाँ वायु के द्वारा अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी सरलता से संचरण कर जाती हैं । आजकल तो बढ़ता हुआ औद्योगीकरण ग्रामीण आबादी को भी अपनी ओर आकर्षित कर रहा है । गाँव के लोग बड़ी तेजी से अपने गाँव को छोड़कर शहरों में आ रहे हैं और इस प्रकार गाँवों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ता जा रहा है । श्री स्ट्रांग के मतानुसार तो ग्रामीण जनसंख्या जिस तेजी से शहरों की ओर भाग रही है, वह विश्व स्तर की एक समस्या बनती जा रही है ।

जल संपदा की सुरक्षा और शुद्धता बनाए

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
रखने के लिए कहा गया है कि अति आवश्यक होने पर ही उनमें गंदगी का विसर्जन किया जाए और जो गंदगी छोड़ी जाए उसके नष्ट करने का भी उपाय किया जाए । इस दिशा में पहला कदम यह उठाने की आवश्यकता अनुभव की गई है कि मछलियों को पकड़ने पर रोक लगा दी जाए । स्मरणीय है मछलियाँ जल की गंदगी साफ करती हैं । कीटाणु और गंदगी ही उनका मुख्य आहार है । ऐसी मछलियाँ भी होती हैं जो मनुष्य की आँख से न दिखाई देने वाले कीटाणुओं को भी खा जाती हैं । उनके विकास को भी जल प्रदूषण रोकने के प्रयासों का एक कार्यक्रम बनाया जा सकता है ।

मिलों, कारखानों का दूषित जल तालाबों और नदियों में न बहाने का भी सुझाव दिया गया है । यदि बहाने की मजबूरी ही हो तो आधुनिक

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org
विज्ञान उनके दोषों को नष्ट कर न्यूनतम मात्रा में कर देने में समर्थ है । नदियों और तालाबों के जल का समय–समय पर परीक्षण करते रहकर उसे हानिकारक सीमा तक न पहुँचने देने की सतर्कता भी बरती जा सकती है ।

वातावरण में व्याप्त होने वाली दूषित वायु को सोखने के लिए वृक्ष–वनस्पति उगाए जा सकते हैं । विज्ञान के छात्र जानते हैं कि वृक्ष–वनस्पतियाँ कार्बन डाई आक्साइड गैस से जीते हैं और जिस प्रकार मनुष्य उच्छिष्ट वायु को प्रश्वांस रूप में कार्बन डाई आक्साइड गैस छोड़ते हैं, उसी प्रकार वृक्ष–वनस्पति उच्छ्वास के रूप में ओषजन छोड़ते हैं । प्राचीनकाल में आश्रम, धार्मिक संस्थान और उपासना गृह वन्य स्थलों में इसी कारण रखे जाते थे कि वहाँ ओषजन पर्याप्त मात्रा में मिलती है और ध्यान की एकाग्रता अधिक संभव हो

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

जाती है । प्राकृतिक स्थानों पर रोगियों को रहने की आज भी सलाह दी जाती है ।

मानते हैं कि वनस्पति संवर्द्धन और जल जंतुओं की सुरक्षा ही वातावरण प्रदूषण का एक मात्र उपचार नहीं है । इसके लिए अन्य उपाय भी खोजे जाने चाहिए और परिवेश को स्वच्छ, शुद्ध बनाने का प्रबंध करना चाहिए । जब तक हम उस स्थिति में पहुँचे कि परिवेश प्रदूषण की समस्या का हल खोजें, संभावित उपायों को तो काम में लाना ही चाहिए ।

www.awgp.org
www.vicharkrantibooks.org

आशा है आपको यह पुस्तिका अच्छी लगी होगी । इस पुस्तिका को एक सप्ताह से अधिक अपने पास रखना ज्ञानयज्ञ में विघ्न डालना है । आप भी कुछ पुस्तकें समाज में वितरित करें ।

मुद्रक : युग निर्माण प्रेस, मथुरा

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

ज्ञानयज्ञ की क्रांतिकारी योजनाएँ

(१) **श्रीराम झोला पुस्तकालय**–समयदान के अंतर्गत परिजन नित्यप्रति न्यूनतम एक घर में साहित्य बदलने का कार्य करें । पूज्यवर के चिंतन को घर–घर पहुँचाएँ ।

(२) **माता भगवती स्वचालित पुस्तकालय**–नियमित दैनिक अंशदान (न्यूनतम ५० पैसा प्रतिदिन) ज्ञानयज्ञ के लिए निकालकर १५) रुपए की युग चेतना साहित्य की ५० पॉकेट बुक्स प्रतिमाह पढ़ने के लिए बाँटें ।

(३) **गायत्री ज्ञानयज्ञ योजना**–पुरानी पुस्तकें एवं पत्रिकाएँ गायत्री ज्ञानयज्ञ योजना की स्लिप लगाकर समाज में वितरित कर दें । स्लिप गायत्री तपोभूमि, मथुरा से मँगा सकते हैं ।

(४) **युग चेतना साहित्य वितरण योजना**–३० पैसा मूल्य वाली १६ पेजी पॉकेट बुक्स न्यूनतम ९०० मँगाने के लिए डाकखर्च सहित कुल २२५) रुपया भेजकर मँगाएँ और वितरित करें ।

संपर्क सूत्र–**विचार क्रांति अभियान**
युग निर्माण योजना, मथुरा–२८१००३

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org

www.awgp.org www.vicharkrantibooks.org

युग ऋषि चिंतन

विचारों की विचारों से काट, आस्थाओं का परिष्कार और उल्टे को उलट कर सीधा करना ही विचार क्रांति का लक्ष्य है । सद्ज्ञान का आलोक नासमझी के अंधकार को मिटाने का कार्य संपादित करे । हमारे विचार बड़े पैने हैं, तीखे हैं । दुनिया को पलटने का जो दावा हम करते हैं, वह सिद्धियों से नहीं, अपने सशक्त विचारों से करते हैं । आप इन विचारों को फैलाने में हमारी सहायता कीजिए ।

-पं० श्रीराम शर्मा आचार्य

अधिक जानकारी के लिए पढ़ें : वृक्षारोपण एक परम पुनीत पुण्य-२), तुलसी के चमत्कारी गुण-३), स्वास्थ्य रक्षा प्रकृति के अनुसरण से ही संभव-६), युग ऋषि का अध्यात्म-युग ऋषि की वाणी में-७)५०, विकृत चिंतन रोग-शोक का मूलभूत कारण-६) ।

पुस्तक सूची के लिए निम्न पते पर लिखें ।

युग निर्माण योजना
गायत्री तपोभूमि, मथुरा-२८१००३
फोन : (०५६५) ४०४०००, ४०४०१५

Free Download Life Chaning Books, Articles, Stories Poems, Great Personalities & Many More
www.vicharkrantibooks.org | www.awgp.org